वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 48 | गुरुवार 12 जून 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

'राइजिंग राजस्थान' एमओयू की समीक्षा बैठक

"राइजिंग राजस्थान" बना विकसित राजस्थान का महत्वपूर्ण स्तम्भ

एमओयू के प्रभावी क्रियान्वयन से मिली प्रदेश के विकास को गति। जुलाई माह में एक लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग हो सुनिश्चित: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार की प्रदेश के विकास को समर्पित निवेश और उद्योग संबंधी नीतियों से राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए एमओयू निरंतर धरातल पर मूर्त रूप ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि सवा तीन लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग से प्रदेश के विकास को नई गति मिली है। उन्होंने अधिकारियों को आपसी समन्वय से आगामी माह में एक लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए विभिन्न विभागों के एमओयू की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी विभागों के सचिवों को निवेशकों से नियमित संवाद स्थापित करने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने अधिकारियों को विभाग के एमओयू की नियमित समीक्षा कर रेस्पॉन्स और क्लीयरेंस में तेजी लाने के लिए भी निर्देशित किया।

लंबित घोषित नीतियों को 31 जुलाई तक दें अंतिम रूप

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित राजस्थान के सपने को साकार करने में राइजिंग राजस्थान समिट एक मजबूत स्तम्भ साबित हो रहा है। समिट ने प्रदेश में ऐसा औद्योगिक वातावरण तैयार किया है, जिसमें निवेशकों के लिए अधिकतम सुविधाएं एवं सेवाएं सुनिश्चित हो रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो घोषित पॉलिसी लंबित हैं, उन्हें 31 जुलाई तक अंतिम रूप दिया जाए। उन्होंने कहा कि जारी हो चुकी पॉलिसी के शेष नोटिफिकेशन भी 30 जून तक जारी किए जाएं।

जिला स्तर पर हुए एमओयू की हो नियमित समीक्षा

शर्मा ने सभी जिला कलक्टर को लैंड बैंक से संबंधित रेकार्ड की रिपोर्ट शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों को जिला स्तर पर हुए एमओयू की प्रगति रिपोर्ट मंगवाने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने सभी जिला

प्रभारी सचिवों और विभागीय अधिकारियों को जिला कलक्टर स्तर पर हुए एमओयू की नियमित समीक्षा करने के लिए निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों के महत्वपूर्ण एमओयू के भूमि आवंटन की स्थिति को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए कमेटी गठन के आदेश दिए ताकि एमओयू के आधार पर उद्योगों एवं निवेशकों की भूमि आवश्यकता को चिन्हित किया जा सके। शर्मा ने इस दौरान नागरिक उड्डयन, पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार, नगरीय विकास एवं आवासन, कृषि तथा खान विभाग से संबंधित एमओयू की समीक्षा की। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे तथा जिला कलक्टर्स वीसी के माध्यम से जुड़े।

धरना प्रदर्शन

श्री करण नरेंद्र राजस्थान कृषि विश्विद्यालय, जोबनेर (जयपुर) एवं स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्व विद्यालय, बीकानेर द्वारा धरना प्रदर्शन। राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान दुर्गापुरा में श्री कर्ण नरेंद्र राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर एवं स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्व विद्यालय, बीकानेर, रिटायर्ड टीचर्स सोसाइटी जयपुर के काफी संख्या में पेंशनर्स ने जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के समर्थन में सरकार की हट धर्मिता के विरोध में दुर्गापुरा केंद्र पर धरना दिया, एवं प्रदर्शन कर जयनारायण व्यास विश्विद्यालय के पेंशनर्स को बकाया पेंशन के शीघ्र भुगतान की मांग की एवं सरकार को पेंशन के स्थाई समाधान की मुख्य मंत्री, कृषि मंत्री, वित्तमंत्री एवं राज्यपाल महोदय को ज्ञापन प्रस्तुत कर समाधान का आग्रह किया। पेंशन समस्या का स्थाई समाधान नहीं होने पर ये दोनों विश्व विद्यालय जोधपुर विश्विद्यालय के साथ खड़े रहेंगे।

मूल चंद जाट, अध्यक्ष
जोबनेर, विश्विद्यालय पेंशनर्स संघ
डॉ आर. बी. एल. गुप्ता, अध्यक्ष
डॉ श्रवण लाल शर्मा, उपाध्यक्ष
स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि वि. वि. रिटायर्ड टीचर्स सोसाइटी,जयपुर
9414781635

भक्तामर ग्रुप, वैशाली नगर ने धावास जैन मंदिर में किया 48 दीपकों से भक्तामर पाठ

जयपुर. शाबाश इंडिया। वैशाली नगर की दिगम्बर जैन महिलाओं के भक्तामर ग्रुप द्वारा श्री 1008 शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर धावास में सामूहिक रूप से 48 दीपकों से भक्तामर पाठ का आयोजन किया गया। थाबास जैन मंदिर के सह मंत्री नरेंद्र गोधा ने बताया कि महिलाओं के ग्रुप का सीमा-मनोज बड़जात्या, रीटा-देवेन्द्र जैन, सीमा गोधा, लेखा जैन, शिमला जैन, अनीता देवी जैन आदि ने तिलक एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया। मंदिर समिति के अध्यक्ष सुरेन्द्र बैद ने बताया कि इस अवसर पर संरक्षक एवं संयोजक- मंदिर निर्माण समिति जय कुमार जैन-बड़जात्या एवं मंत्री मितेश ठोलिया सहित कार्यकारिणी सदस्य कमल जैन आदि की उपस्थिति रही। समिति के सदस्य कमल जैन ने भक्तामर ग्रुप की सभी महिलाओं से पुनः धाबास मंदिर में आने का निमंत्रण देते हुए निर्माण कार्य में अधिक से अधिक सहयोग करने की अपील की। मंदिर समिति के संरक्षक जय कुमार जैन-बड़जात्या ने बताया कि भक्तामर ग्रुप, वैशाली नगर सितम्बर 2022 से प्रत्येक माह में एक बार जयपुर या जयपुर से बाहर के मंदिर में जाकर 48 दीपकों से भक्तामर का पाठ करता है। अभी तक जयपुर और जयपुर के बाहर भी अनेकों मंदिर में यह ग्रुप भक्तामर का पाठ कर चुका है। ग्रुप की महिलाओं में विनीता जैन, प्रेमलता जैन, सुधा छाबड़ा, ममता पटौदी, संतोष पाटनी, मुन्नी काला, शशि जैन, मंजू कासलीवाल, निर्मला ठोलिया, सीमा गंगवाल, बीना बक्शी आदि ने भक्तामर पाठ कर धर्म लाभ प्राप्त किया।

रामदेव मेले में लगेगा फ्री आई चेकअप कैंप

जयपुर. कासं। राजस्थान सरकार के सहयोग से गैर सरकारी संगठन सक्षम संस्था एवं अन्य संस्थाओं की ओर से पोकरण में रामदेव मेला में 1 अगस्त से लेकर 2 सितंबर तक 33 दिवसीय नेत्र जांच एवं उपचार शिविर का आयोजन होगा। करीब छह एकड़ भूमि पर सात जर्मन हैंगर बनाए जाएंगे, जिसमें 50 ओपीडी, चश्माघर, रिसेप्शन हॉल, चिकित्सक और स्टाफ आवास भोजन आदि की व्यवस्था रहेगी। शिविर में प्रतिदिन 4- 5 हजार मरीजों की आंख की जांच कर चश्मे और दवा का वितरण किया जाएगा। नेत्र कुंभ शिविर में 1.25 लाख लोगों के नेत्रों की जांच, दवा वितरण और एक लाख लोगों को हाथों हाथ चश्मा उपलब्ध करवाने का लक्ष्य रखा गया हैं। साथ ही जिन मरीजों को मोतियाबिन्द और अन्य ऑपरेशन की आवश्यकता होगी, उनके निवास स्थान के नजदीक सरकारी एवं प्राइवेट अस्पतालों में निशुल्क ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी। रामदेवरा नेत्र कुम्भ में इस शिविर के सफल संचालन के लिए रोज 20 नेत्र रोग विशेषज्ञ, 50 ऑप्टोमेट्रिस्ट और करीब 300 कार्यकर्ता तैनात रहेंगे। सक्षम संस्था जयपुर की ओर से तीन मेलों में इस नेत्र कुम्भ महाशिविर का आयोजन किया गया था, जिसमें अब तक 4.86 लाख लोगों की नेत्र जांच, 3.56 लाख लोगों को चश्मा वितरण एवं 40 हजार लोगों की आंखों का ऑपरेशन किया गया था।

आगरा में 3 वर्ष बाद हुआ आचार्यश्री चैत्यसागर जी महाराज ससंघ का मंगल प्रवेश

आगरा. शाबाश इंडिया

सादिगंबर संतों के मंगल प्रवेश से धन्य हो रही आगरा की धरा पर 11 जून को सर्वांगभूषण आचार्य श्री चैत्यसागर जी महाराज ससंघ ने मंगल विहार कर पश्चिमपुरी,सेक्टर 7,सेक्टर 4 जैन मंदिर के दर्शन करते हुए बैनाड़ा उद्योग लिमिटेड फैक्ट्री होते हुए जयपुर हाउस के शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश किया जहां जयपुर हाउस जैन समाज ने 11 थालियों पर आचार्यश्री के चरणों का प्रक्षालन कर स्वागत किया। आचार्यश्री ससंघ के भव्य स्वागत और अभिनंदन को बड़ी संख्या में महिलाएं पुरुष उपस्थित था और पूरे उल्लास के साथ भक्तों ने जयपुर हाउस शैली में आचार्यसंघ का मंगल अगमन करवाया।मंगल प्रवेश के बाद आचार्य संघ का मंगल पदार्पण जैन मंदिर में हुआ,जहां आचार्यसंघ ने मंदिर जी में विराजमान सभी प्रतिमाओं के दर्शन कर जगत कल्याण की भावना भायी।वहीं आचार्यश्री के सानिध्य में भक्तों ने स्वर्ण कलशों से श्रीजी की प्रतिमाओं की वृहद शांतिधारा की तो वहीं आचार्यश्री की दिव्य वाणी मंदिर जी प्रांगण में खिरी। आचार्यश्री ने कहा कि मैं जब भी आगरा आता हूं समाज को कुछ विशेष कार्य बता कर जाता हूं और खुशी होती है जब उक्त कार्य को होता देखता हूं। इस अवसर पर मन्दिर समिति ने बाहर से पधारे भक्तों का माला एवं साफा पहनाकर स्वागत सम्मान किया।आपको बता दें जुलाई 2022 में आचार्यश्री चैत्य सागर जी महाराज का महानगर आगमन हुआ था ठीक 3 वर्ष बाद 11 जून 2025 को एक बार फिर आचार्य श्री के कदम पावनधरा पर पड़े।इस अवसर पर राकेश जैन पदेर्वाले,निर्मल मोठया, दीपक जैन,अजय जैन,मनोज जैन, राजेश जैन,राहुल जैन,बॉबी जैन, विभू बैनाड़ा,अनंत जैन,शुभम जैन, अनिल जैन,समस्त जयपुर हाउस जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

चातुर्मास और उसका महत्व

वर्ष 2025 के वर्षा योग में संतों की साधना के साथ समाज की ज्वलन्त व गंभीर समस्याओं पर होंगे विचार

जीव दया, तप साधना धर्म प्रभावना व सद्भावना का महा महोत्सव है चातुर्मास

आषाढ माह प्रारंभ होते ही साधु संतों के चातुर्मास के स्थानों की घोषणा होना ,उन स्थानों के लिए संतों का विहार प्रारंभ होना तथा श्रावकों द्वारा संतों को चातुर्मास हेतु निवेदन करने के साथ ही आवश्यक व्यवस्थाओं में जुट जाना प्रारंभ हो जाता है ।उल्लेखनीय है कि वर्षा योग साढ़े तीन माह का तथा चातुर्मास चार माह का होता है । भारतीय तिथि गणना शास्त्र के अनुसार 2025 में चातुर्मास 09 जुलाई से 05 नवम्बर तक होंगे ।

2025 के चातुर्मास विशेष होंगे

जैन समाज में वर्ष 2025 चातुर्मास के हिसाब से एक विशेष वर्ष है ।इस वर्ष चातुर्मास में जैन समाज की घटती जनसंख्या , नाम के साथ जैन उपनाम लिखना , जनगणना में धर्म के कालम में जैन लिखना , तीर्थ क्षेत्रों की व मंदिरों की सम्पतियों की सुरक्षा करना , युवाओ को धर्म से जोड़ना व संस्कारवान बनाना जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीर विचार विमर्श की संभावनाएं है।

विभिन्न धर्मों के अनुसार चातुर्मास

भारत में विभिन्न धर्मों के संत महात्माओं की अपनी-अपनी मान्यताओं और धार्मिक विधानों के अनुसार साधना पद्धतियां, अनुष्ठान और निष्ठाएं परिपक्व हुई हैं। इन पद्धतियों में चातुर्मास की परम्परा बड़ी महत्वपूर्ण है।वैदिक परम्परा के संतों में भी चातुर्मास की परम्परा चली आ रही है परन्तु जैन धर्म में इसका एक अलग ही महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकि ''जियो और जीने दो'' ''परस्परोपग्रह जीवनाम्''दयाभाव युक्त और उसी के तहत जीवों के जीने में सहयोग करना अहिंसा का व्यवहारिक रुप है। जैन धर्म में अन्य धर्मों की तुलना में अपरिग्रह पर अधिक जोर दिया है। दिगम्बर साधु जिसका जीवंत उदाहरण है। चातुर्मास में मुनि आर्यिका आदि सभी चातुर्मास के नियमों का पालन कर तप त्याग व साधना में रत रहते हैं।

चातुर्मास का महत्व

जैन धर्म में चातुर्मास की परम्परा अत्यंत प्राचीन है। स्वयं श्रमण भगवान महावीर ने अपने जीवन में विभिन्न क्षेत्रों में चातुर्मास किए। उन्होंने अपना अंतिम 42वां चातुर्मास पावापुरी में किया था। चातुर्मास का अर्थ है-चार मास के लिए साधु-साध्वियों का एक स्थान पर ठहरना। चातुर्मास का आरंभ वर्षा ऋतु में होता है। वर्षा के कारण सभी मार्ग अवरुद्ध हो जाते हैं और जीव-जंतुओं की उत्पत्ति भी बढ़ जाती है अतः जीवों की रक्षा और संयम -साधना के लिए चार मास तक साधु-साध्वियों को एक स्थान पर

रुकने का शास्त्रीय विधान है। अपवाद स्वरूप ही साधु चातुर्मास में अन्यत्र जा सकते हैं। शास्त्रों में उल्लेख है कि संघ पर संकट आने अथवा किसी स्थविर या वृद्ध साधु की सेवा के लिए साधु चातुर्मास में दूसरे स्थान पर जा सकता है अन्यथा उसे चातुर्मास में एक स्थान पर रुकने का शास्त्रीय आदेश है।

चातुर्मास में व्रत त्योहार

जैन धर्म में सामाजिक तथा धार्मिक दृष्टि से चतुर्मासिक प्रवास अत्यंत महत्वपूर्ण है। चातुर्मास में षोडशकारण व्रत,दस लक्षण व्रत, सुगंध दशमी,अनन्त चतुर्दशी तथा क्षमा वाणी और भगवान महावीर निर्वाणोत्सव जैसे महापर्व आते हैं। इस दृष्टि से इसकी महत्ता और भी बढ़ जाती है।यह जैनों के अलौकिक पर्व है।

एकता व सौहार्द का वातावरण

एक ओर जहां यह तप, त्याग , साधना का पर्व है वही संतों के सानिध्य में परस्पर वैमनस्य और वैर, विरोध को दूर करने का सशक्त माध्यम भी है। क्षमा पर्व की धारणा एक स्वस्थ और सभ्य समाज की गारंटी है। इस प्रकार जैन धर्म में चातुर्मास का सामाजिक और धार्मिक महत्व तो है ही व्यक्ति और समाज को एक सूत्र में पिरोने का भागीरथ प्रयत्न भी है।

जयपुर में होगा संतों का समागम

जैन नगरी जयपुर शहर में अभी तक उपाध्याय वृषभा नन्द जी का जयपुर झोटवाड़ा , मुनि आदित्य सागर जी का कीर्ति नगर में , मुनि पावन सागर जी का गायत्री नगर, आर्यिका नंग मति माताजी का बिलवा, आर्यिका नन्दीश्वर मति माताजी का चोमू बाग, आर्यिका प्रशांत नंदनी माताजी का थड़ी मार्केट चातुर्मास होना तय हो गया है साथ ही आचार्य शशांक सागर जी का , उपाध्याय ऊर्जयन्त सागर जी का , मुनि अर्चित सागर जी का भी जयपुर क्षेत्र में होना प्रायः तय है इधर कई अन्य संतों आर्यिकाओ के चातुर्मास हेतु भी समाज जन प्रयास रत है।

पदम जैन बिलाला
जनकपुरी -
ज्योतिनगर, जयपुर

देव शास्त्र गुरू ही परम पूज्य है...

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर त्रिवेणी नगर मे ससंग विराजित आचार्य श्री 108 वसुनंदी जी महाराज की शिष्या आर्यिका प्रशांत नंदिनी माताजी ने बुधवार को अपने मंगल प्रवचन में बताया कि जैन धर्म में देव, शास्त्र और गुरू की अराधना मोक्ष मार्ग के तीन

मुख्य स्तम्भ है। उन्होंने बताया कि देव यानि परमात्मा, जो निगुर्णी और सर्वज्ञ। वे जीवों को मोक्ष प्रदान करने के लिए मार्ग दिखाते है। शास्त्र यानि जीनवाणी जैन धर्म के आध्यात्मिक ग्रंथों में ज्ञान और सत्य निहित है। गुरू शिष्यों को धर्म के सही मार्ग पर चलने के लिए उन्हें सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चारित्र के महत्व को प्रेरित करते है। इस तरह उन्होने बताया कि देव, शास्त्र और गुरू जैन दर्शन में श्रद्धा, स्तुति, अराधना के प्रमुख आधार है। नरेश कासलीवाल ने बताया कि इस अवसर पर महेंद्र काला, अशोक पाटोदी, नरेंद्र सेठी, अशोक पापड़ीवाल, महावीर कासलीवाल, सुनील लुहाड़िया, हीरा जैन, अजय पाण्डया, देवेन्द्र कासलीवाल, प्रशान्त अजमेरा, नितिन छाबड़ा, नितेश छाबड़ा, संजय सौगाणी, शुभम जैन, शिमला पापड़ीवाल, मैना पाटनी, बबीता लुहाड़िया, वन्दना अजमेरा, मृदुला काला, मोना कासलीवाल, रेणु पाटनी, लक्ष्मी देवी अजमेरा, निर्मला छाबड़ा, बेला पाटनी, सुमन खेर, श्वेता सेठ सहित बड़ी संख्या में समाज बन्धु उपस्थित थे। इससे पूर्व मंगलवार को रात्रि मे माताजी के मुखाबिन्द से 48 दीपकों से भक्ताम्बर स्तोत्र का पाठ हुआ। बुधवार प्रातः माताजी ससंग शांतीनगर स्थित शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के दर्शन किए। **नरेश कासलीवाल: प्रचार प्रभारी (राजस्थान अंचल)**

बीस पंथी मंदिर पर दो संतों का महा मंगल मिलन

राजेश जैन दद्दू

इंदौर। हम सभी समाज जनों के लिए अत्यंत हर्ष का विषय है कि है कि दिनांक 12 जून, गुरुवार को प्रातः 7:30 बजे बीसपंथी मंदिर मल्हारगंज में श्रमण संस्कृति के महामहिम आचार्यश्री विशुद्ध सागर जी महाराज के दो शिष्य मुनि श्री प्रणुतसागर जी महाराज ससंघ एवं मुनिश्री सुयशसागर जी महाराज ससंघ का भव्य महामिलन होने जा रहा है। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने कहा कि यह अत्यंत दुर्लभ व दिव्य अवसर है, जब दो महान संत संसघ का एक ही स्थान पर भव्य मंगल मिलन का। हम सभी समाज जनों को सान्निध्य प्राप्त हो रहा है। इस पावन पुनीत प्रसंग पर सभी समाज जन उपस्थित होकर भव्य महामंगल मिलन के साक्षी बनकर नमोस्तु शासन जयवंत हो का गुंजायमान कर पुण्यार्जन करें।

वेद ज्ञान

समस्याएं सुधार का अवसर प्रदान करती हैं

जीवन समस्याओं और उलझनों से भरा है। समय एक जैसा नहीं रहता। सुख है तो दुख भी आने वाले हैं। इस सत्य को पूरी तरह स्वीकार करने वाला व्यक्ति किसी भी अप्रिय स्थिति को अनहोनी समझकर नहीं देखता। ऐसे लोग तलाशने पर शायद बहुत कम मिलें। बहुसंख्या ऐसे लोगों की है, जो विपत्ति आने पर अवाक रह जाते हैं और विचलित हो जाते हैं। यह भ्रम पाल लेना कि जीवन में सदा सुख है, निर्बाधता है, ऐसी सोच विपत्ति के आने पर हमें कमजोर और भयभीत कर देती है। कमजोर और डरा हुआ मन कोई आश्रय, कोई अवलंबन खोजने लगता है स्थिति से निपटने का। ऐसा इसलिए, क्योंकि व्यक्ति का स्वयं पर विश्वास नहीं रहता। जीवन के सत्य से जितनी दूरी होगी, छोटी से छोटी समस्या उतनी ही बड़ी लगने लगेगी। दीनहीनता उतनी ही बढ़ जाएगी। किसी भी समस्या या संकट को अनहोनी की तरह न लेना मन की पहली विजय होती है। विचलित होने से आप विवेकपूर्ण फैसले नहीं ले सकते। सच तो यह है कि स्थितियां ही नहीं, स्वयं अपने जीवन पर भी हमारा कोई वश नहीं है। सभी कुछ ईश्वर के अधीन है। सृष्टि की रचना उसने की है, जीवन भी उसी ने दिया है और जीवन के पल, क्षण तक उसने तय कर दिए हैं। पूरा संसार उसकी इच्छा और आज्ञा में है। 'मैं' एक भ्रम है। इस सोच के व्यक्ति संकट में विचलित नहीं होते। हर समस्या और संकट का मूल कारण हम ही होते हैं और समस्याएं स्वयं के सुधार का अवसर प्रदान करती हैं। मानव जीवन में जाने, अनजाने पाप कर्म होते ही रहते हैं। परमात्मा चूंकि दयालु भी है। इसलिए जब कोई उसकी शरण में जाता है और अपना सर्वस्व अर्पण करके कृपा की आकांक्षा करता है, तब वह उस पर अवश्य दया करता है। ईश्वर करुणा का सागर है, इसलिए कोई उसकी ओर एक कदम चले तो वह कोटि कदम आगे होकर उसे अपने गले लगा लेता है। बातों से नहीं, बल्कि अंतस चेतना में ईश्वर की अनुभूति करके ही उसकी महानता का पता चलता है। जब ईश्वर की महानता समझ में आ जाती है, तब शब्द चुक जाते हैं, वाणी मौन हो जाती है। संकट के समय ईश्वर को अपना सहायक बना लेने से व्यक्ति की राह आसान हो जाती है और वह सहजता से समस्याओं या बाधाओं का सामना करने में सक्षम हो जाता है।

संपादकीय

दुर्लभ खनिजों के लिए हो रणनीति

अमेरिका और चीन के बीच जारी व्यापार युद्ध में कई अन्य देशों के साथ भारत भी पिस रहा है। अप्रैल में चीन ने कुछ भारी एवं मध्यम दुर्लभ खनिजों एवं इनसे जुड़े मैग्नेट के निर्यात पर पाबंदी लगाने की घोषणा की थी और कहा था कि इनके निर्यात के लिए लाइसेंस लेना आवश्यक होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की तरफ से शुल्क एवं विभिन्न व्यापार प्रतिबंध लगाने की घोषणा के बाद चीन ने यह कदम उठाया था। इन तत्त्वों के निर्यात

के लिए लाइसेंस लेने में कठिनाई पेश आ रही है और यह साबित करना भी कम पेचीदा नहीं है कि किन उद्देश्यों के लिए इनका इस्तेमाल किया जाएगा। इसकी वजह से भारत में भी विनिर्माण गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। चीन का आधिकारिक रूप से ज्ञात भंडार के 50 फीसदी हिस्से पर नियंत्रण है और निष्कर्षण और प्रसंस्करण क्षमता में इसकी क्रमशः 70 फीसदी और 90 फीसदी हिस्सेदारी है। ये खनिज वाहन, सोलर पैनल आदि के विनिर्माण में काफी महत्त्वपूर्ण माने जाते हैं। अब चीन से इन दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति बाधित होने से भारतीय उद्योगों को दूसरे विकल्पों पर विचार करना होगा। यह निश्चित था कि चीन कभी न कभी इन तत्त्वों की आपूर्ति रोक कर इनका इस्तेमाल व्यापार में हथियार के रूप में करेगा। वास्तव में चीन अपने इस हथियार का इस्तेमाल पहले भी कर चुका है। जब एक दशक से अधिक समय पूर्व चीन और जापान में तनाव चल रहा था तो उस समय चीन ने जापान और उसकी कंपनियों को इन तत्त्वों की आपूर्ति रोक दी थी। चीन के साथ अपने इस अनुभव से सबक लेते हुए जापान ने अस्थायी बाधाओं का सामना करने के लिए खनिजों का रणनीतिक भंडार तैयार कर लिया है और फिलिपींस और ऑस्ट्रेलिया सहित अन्य देशों के माध्यम से एक वैकल्पिक आपूर्ति व्यवस्था का भी बंदोबस्त कर लिया है। भारत को भी इस तरह की तैयारी करनी चाहिए थी, विशेषकर वर्ष 2000 में गलबान में चीन के साथ सैन्य झड़प के बाद उसे इन खनिजों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का प्रयास शुरू कर देना चाहिए था। अब भारत सरकार और कंपनियों ने इस दिशा में प्रयास शुरू कर दिया है और यह दिख भी रहा है लेकिन इसमें तालमेल का अभाव दिख रहा है। सरकार ने 'काबिल' नाम से एक सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी स्थापित की है जिसका उद्देश्य आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति व्यवस्था दुरुस्त रखना है। इस बीच, वेदांत जैसी कुछ बड़ी कंपनियों और हैदराबाद स्थित मिडवेस्ट एडवांस्ड मटीरियल्स ने आपूर्ति व्यवस्था में भारी निवेश करना शुरू किया है। डालांकि, इन प्रयासों को वास्तविक रणनीति का दर्जा नहीं दिया सकता। वास्तविक रणनीति आपूर्ति श्रृंखला में निष्कर्षण एवं प्रसंस्करण दोनों का ख्याल रखने और सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों के साथ काम करने के साथ ही जापान जैसे विश्वसनीय देशों को भी अपने साथ जोड़ने की होनी चाहिए। भारत की रणनीतिक सोच के साथ अक्सर सबसे बड़ी समस्या यह रही है कि वह केवल आंतरिक बाजार पर ध्यान देता है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

निराश हो चुके हैं नक्सली

सरकार के आक्रामक रुख के बावजूद नक्सलियों का हिंसक होना वाकई दुखद है। छत्तीसगढ़ के सुकमा में सोमवार को नक्सलियों द्वारा बिछाई गई बारूदी सुरंग विस्फोट में एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहीद हो गए। इस घटना में दो अन्य पुलिस अधिकारी घायल हो गए। जबकि नक्सलवाद पर नकेल बीते वर्ष की उपलब्धि कही जा सकती है। इसका निश्चित तौर पर गृह मंत्री अमित शाह को जाता है, पर इसमें राज्यों की भूमिका भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं रही है। बीते वर्ष अकेले छत्तीसगढ़ में ही करीब

एक हजार से अधिक नक्सलियों ने या तो आत्मसमर्पण किया या फिर उनकी गिरफ्तारी की गई, जबकि करीब 287 नक्सली मारे गए। सबसे अधिक नक्सली छत्तीसगढ़ में मारे गए। नक्सलियों की कमर सबसे अधिक छत्तीसगढ़ में टूटती नजर आ रही है। यहां लगभग 867 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इस चोट के बावजूद नक्सली संगठन गाहे-बगाहे सुरक्षा बलों को निशाना बना ही रहे हैं। ये जानते हुए कि अब उनके दिन गिनती के रह गए हैं। हिंसा का रास्ता वैसे भी लंबी दूरी तय नहीं करता है। नक्सलियों ने अपने गिरेबान में झांकने के बजाय भोले-भाले ग्रामीणों के कंधे पर रख अपना उल्लू सीधा किया। यह धत कर्म ये नक्सली संगठन लंबे वक्त से करते रहे हैं। हालांकि मोदी सरकार ने अपने 11 वर्ष के शासनकाल में नक्सलियों की कमर लगभग तोड़ दी है, लेकिन सुरक्षा बल के अधिकारी की हत्या करना यह दशार्ता है कि वो निराश हो चुके हैं और समाज की मुख्यधारा में लौटने की उनकी मंशा बिल्कुल भी नहीं है। जबकि सरकार ने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को मुख्यधारा में शामिल करने के लिए आर्थिक सहायता और पुनर्वास योजनाओं की भी शुरूआत की। इससे न केवल हिंसा में कमी आई, बल्कि स्थानीय लोगों की दुश्वारियां भी कम हुई। इस कारण उन लोगों का मन बदला। तमाम उपायों के बावजूद लंबे समय से नक्सल प्रभावित रहे लोगों के लिए मुख्यधारा में लौटना या मुख्यधारा के प्रति भरोसा बनाना बिना सुरक्षा सुनिश्चित किए संभव नहीं था। सरकार ने इस मोर्चे पर भी काम किया। सुरक्षा बलों की प्रभावी उपस्थिति हर संभव स्तर पर की। स्वाभाविक तौर पर सरकार बचे-खुचे नक्सलियों के खात्मे के लिए व्यापक स्तर पर अभियान चलाएगी। हां, इस अभियान में निर्दोष लोगों को बेवजह परेशान न किया जाए, इस बात का ख्याल रखने की महती जरूरत है।

भुसावर अग्रवाल समाज की परिचय पुस्तिका का मुख्यमंत्री सुरक्षा अधिकारी आईपीएस विष्णुकांत गुप्ता ने किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजधानी में प्रवास कर रहे भुवासर अग्रवाल समाज की परिचय पुस्तिका का विमोचन के स्नेह मिलन कार्यक्रम के अंतर्गत किया गया। टोंक रोड़ अग्रवाल समाज समिति अध्यक्ष मुकेश गुप्ता के प्रधान संपादन में तैयार की गई पुस्तिका में भुसावर के सभी 250 से अधिक अग्रवाल बंधुओं का परिचय मय फोटो और बहुरंगीय सन्देश शामिल कर प्रकाशित की गई। जवाहर नगर के जनोपयोगी केंद्र में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी वेदव्रत गुप्ता द्वारा की गई और मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री सुरक्षा अधिकारी आईपीएस विष्णु कांत गुप्ता रहे और समाज बंधुओं की उपस्थिति में मुख्य अतिथि विष्णुकांत गुप्ता द्वारा पुस्तिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम के दौरान समाज के महेश चंद गुप्ता, राजेंद्र अग्रवाल, सत्यनाम गुप्ता, सुनील मोदी, दीपक सिंहल, वेद प्रकाश सिंघल सहित अन्य प्रतिष्ठित बंधु सम्मिलित हुए।

रिजन का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

उज्जैन। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन की इकाई उज्जैन रीजन का संकल्प अनुष्ठान सम्पन्न हुआ फेडरेशन के मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि रीजन अध्यक्ष नवीन जैन रीजन सचिव मनीष जी जैन रीजन कोषाध्यक्ष रत्नेश जैन* का शानदार शपथ ग्रहण समारोह महावीर तपोभूमि उज्जैन पर एक गरिमामय में कार्यक्रम में संपन्न हुआ। फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोहर झाझरी राष्ट्रीय महासचिव विनय जैन राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अश्विन कासलीवाल तपोभूमि के संस्थापक अध्यक्ष एवं सामाजिक संसद उज्जैन के अध्यक्ष अशोक जैन चाय वाले अध्यक्ष श्री दिनेश जी जैन (सुपर फार्मा)* एवं शपथ अधिकारी राकेश विनायका* एवं रिजन ग्रुपों एवं सदस्यों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण से हुआ ध्वजारोहण कर्ता डॉ चंद्र कुमार ललिता कासलीवाल द्वारा द्वीप प्रज्वलन नरेंद्र संगीता सोगानी द्वारा एवं चित्र अनावरण महेंद्र बिजया जैन ने संपन्न किया। मंगलाचरण गीत श्रीमती स्वाती एवं वर्तिका जैन द्वारा किया गया। मंगलाचरण नृत्य में परिधि एवं अन्वेष जैन द्वारा खूबसूरत प्रस्तुति दी गई। अतिथियों के सारगर्भित उद्बोधन ने सभा में समा बांध दिया। आपने कहा कि हमें समाज को हरदम कुछ ना कुछ देते रहना चाहिए इसी तारतम्य में रीजन के समस्त शहरों में एक मोक्ष वाहिनी की घोषणा की गई जिसका संचालन उज्जैन रीजन के तत्वाधान में स्थानीय सोशल ग्रुप करेंगे। अनुशासित तरीके से अति विशिष्ट शैली में शपथ अधिकारी राकेश जैन विनायका ने सभी पदाधिकारी को शपथ दिलाई।

पांच राज्यों से आए जैन समाज के श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में की भागीदारी

अब चंद्र प्रभु जिनालय का जल्द होगा निर्माण, कोछोर में संपन्न हुआ चन्द्रप्रभु जिनालय भव्य शिलान्यास महोत्सव

सीकर. शाबाश इंडिया। कोछोर दिनांक 11 जून 2025 एक ऐतिहासिक क्षण देखने को मिला कोछोर सीकर राजस्थान के प्राचीन जिनालय के जीर्णोद्धार कार्य के अन्तर्गत प्राचीन जिनालय के ही स्थान पर नवीन जिनालय के निर्माण कार्य के अन्तर्गत जिनालय के शिलान्यास की विधि विधान से दो दिवसीय भव्य आयोजन हुआ जिसमें नित्य अभिषेक, शांतिधारा, जाप की क्रिया की गई प्रदीप झाँझरी दीमापुर ने बताया कि ध्वजारोहण करने का सौभाग्य विजय कुमार गंगवाल परिवार को मिला संगीतमय श्री यागमण्डल विधान प्रारम्भ साथ ही भुमि जागरण जाप, वास्तु विधानऔर संध्याकालीन संगीतमय आरती का भी आयोजन किया। शिलान्यास दीमापुर निवासी फूलचंद जी झाँझरी के पुत्र प्रदीप नरेश सुनील ललित मुकेश झाँझरी परिवार मोहित वाले को सौभाग्य प्राप्त हुआ शिलान्यास के पश्चात श्रीजी रथ में विराजमान करके भव्य शोभायात्रा निकाली गई करके चंद्रप्रभु जिनालय मंदिर ट्रस्ट समिति के अध्यक्ष विजय झाँझरी और महामंत्री मनोज सेठी ने बताया कि श्रद्धालु जन उत्साहपूर्वक आगे आए। कोछोर प्रवासियों सहित कई राज्यो से आए श्रद्धालुओं ने तन-मन-धन से भागीदारी की। जिनके पास धन था उन्होंने दान दिया, और जिनके पास सेवा की क्षमता थी उन्होंने सेवा का संकल्प लिया। धर्मसभा मे श्री शास्त्री जी ने कहा कि जिस गति से धर्म आराधना और दान का कार्य किया, वह राजनीति में भी दुर्लभ है। उन्होंने कहा कि पेट भरना तो जानवर भी जानते हैं, लेकिन इंसान अगर संतों से प्रेरणा लेकर जीवन में बदलाव लाए, तो वह धर्म, समाज और देश के लिए उपयोगी बन सकता है।कार्यक्रम मेंसोधर्मइंद्र मूलचंद काला परिवार कोछोर शिवसागर,कुबेरइंद्र मनोज कुमार पाटोदी परिवार कोछोर,यज्ञ नायक अमरचंद काला परिवार कोछोर शिलांग,ईशान इंद्र संजय कुमार जी काला परिवार कोछोर,सनत कुमार इंद्र प्रदीप कुमार काला परिवार कोछोर महेंद्र इंद्र मनोज कुमार सेठी परिवार कोछोर जयपुर एवं महाआरती करने का सौभाग्य सुगन चंद सेठी परिवार को सौभाग्य मिला। प्रबंध समिति के कोषाध्यक्ष अमरचंद काला ने जानकारी देते हुए कहां की आयोजन के जयपुर सीकर आसाम दीमापुर कोलकाता राँची भागलपुर मुंबई , दिल्ली एवं शेखावाटी अंचल के आसपास दुधवा रेटा रलावता दांता खाचरियावास दूजोद रेवासा रानोली धोद भुलड़ा का बास लोगों ने भागीदारी की और पंडित महेश कुमार शास्त्री दीमापुर सानिध्य में धर्म आराधना करने के साथ-साथ अन्य कई पुण्य कार्यों में अपने द्रव्य का उपयोग कर भूमि पूजन किया। वहां स्वर्ण शिला, रजत शिलाएं और ताम्र शिलाओं के साथ चांदी से निर्मित किए गए गेंती, फावड़े और कत्री सहित कई उपकरण भी भूमि पूजन के दौरान स्थापित किए गएऔर एक ताम्रपत्र जिस पर इस अनुष्ठान का पूरा शिलालेख अंकित था, उसे भी विधि-विधान पूर्वक पात्र लोगों ने भूमि पूजन के दौरान समर्पित किया।आयोजन में महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों एवं कुछ और जैन समाज की समस्त बहन बेटियां ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।साथ ही चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिरकोछोर नवनिर्माण कमेटी बनाई गई जिसमे टीकमचंद छाबड़ा रांचीअध्यक्ष,प्रदीप झांझरी दीमापुर महामंत्री,सुरेश झांझरी गुवाहाटी उप मंत्री,विजय कुमार झांझरी रेटा मुख्य निर्माण प्रभारी,विजय कुमार गंगवाल निर्माण प्रभारी,प्रकाशचंद छाबड़ा जयपुर सह निर्माण प्रभारी,सुगनचंद सेठी कोछोर अशोक कुमार झांझरी किशनगढ़ सदस्य आदी बनाएंगे सगीतकार अमित एंड पार्टी महुआ से थे।

प्रताप गौरव केन्द्र मनाएगा हल्दीघाटी विजय सार्द्ध चतुः शती समारोह

हल्दीघाटी युद्ध के 450वें वर्ष के उपलक्ष्य में वर्षभर होंगे आयोजन

मेवाड़ के शौर्य और वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप को समर्पित होंगे आयोजन

उदयपुर. शाबाश इंडिया

भारतीय इतिहास की गौरवशाली धरोहर, मेवाड़ की आत्माभिमानी परंपरा और वीरता के प्रतीक महाराणा प्रताप की विजयगाथा को जनमानस तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रताप गौरव केन्द्र, राष्ट्रीय तीर्थ पर हल्दीघाटी विजय सार्द्ध चतुः शती समारोह का शुभारंभ 18 जून 2025 को होने जा रहा है। यह समारोह 1576 के ऐतिहासिक हल्दीघाटी युद्ध के 450वें वर्ष के उपलक्ष्य में किया जा रहा है, जो एक संपूर्ण वर्ष तक देशभर में उत्साह, गौरव और राष्ट्रचेतना के साथ मनाया जाएगा। इसकी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप समिति के अध्यक्ष प्रो. भगवती प्रकाश शर्मा ने कहा कि हल्दीघाटी युद्ध केवल एक ऐतिहासिक संघर्ष नहीं, बल्कि स्वतंत्रता, आत्मबलिदान और राष्ट्रप्रेम का प्रतीक है। यह समारोह न केवल इतिहास का पुनर्पाठ है, बल्कि नई पीढ़ी को अपने गौरवशाली अतीत से जोड़ने का प्रयास भी है। मेवाड़ की पवित्र भूमि पर जब प्रताप की विजय यात्रा फिर से गूंजेगी, तब सम्पूर्ण भारत इस वीरता के प्रतीक को फिर से नमन करेगा। प्रताप गौरव केन्द्र के निदेशक अनुराग सक्सेना ने बताया कि समारोह के प्रथम सोपान का शुभारंभ 18 जून को हल्दीघाटी में राष्ट्र चेतना यज्ञ से होगा, जिसमें मेवाड़ के महान शौर्य का स्मरण करते हुए राष्ट्रप्रेम की भावना का संचार किया जाएगा। यज्ञ के उपरांत वहां सभा होगी और उसके बाद महाप्रसादी का आयोजन होगा। उसी दिन हल्दीघाटी विजय संदेश यात्रा निकाली जाएगी जो हल्दीघाटी से प्रारंभ होकर उदयपुर शहर के विभिन्न क्षेत्रों से गुजरते हुए प्रताप गौरव केन्द्र तक पहुंचेगी। इस गौरवयात्रा में हल्दीघाटी की माटी और विजय ध्वज को ससम्मान लाया जाएगा, जिनका नगर में जगह–जगह स्वागत और पूजन किया जाएगा। यात्रा के समापन पर यह माटी और ध्वज प्रताप गौरव केन्द्र परिसर में स्थापित किए जाएंगे। समारोह के प्रथम सोपान (18 से 25 जून) के दौरान दो कार्यशालाएं भी होंगी। पहली चित्रकला कार्यशाला पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के सहयोग से होगी। इस कार्यशाला में 25 चित्रकार मेवाड़ी चित्रशैली की विविधताओं को कैनवास पर उकेरेंगे, जिनमें महाराणा प्रताप का जीवन, युद्ध दृश्य, एवं मेवाड़ का लोकजीवन दर्शाया जाएगा। इसी तरह, भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद के सहयोग से प्राच्य लिपि कार्यशाला होगी जो प्राचीन लिपियों के पठन-पाठन प्रशिक्षण पर आधारित होगी। देशभर के प्रतिष्ठित पुराविद एवं लिपि विशेषज्ञ प्रतिभागियों को भारतीय लिपिक परंपरा से जोड़ने का कार्य करेंगे। इन दोनों कार्यशालाओं हेतु इच्छुक प्रतिभागियों को पूर्व आवेदन करना होगा। प्रथम सोपान के तहत 18 से 25 जून तक प्रताप गौरव केन्द्र में प्रवेश शुल्क सभी वर्गों के लिए मात्र 50 रुपये रहेगा। शाम के समय होने वाले वाटर लेजर शो – मेवाड़ की शौर्यगाथा का शुल्क भी 50 रुपये ही रहेगा।

पूरे वर्ष होंगे आयोजन, प्रत्येक राज्य और जिले में पहुंचेगी प्रताप गाथा

समारोह वर्ष भर चलेगा और इसके अंतर्गत सभ्यता अध्ययन केन्द्र, नई दिल्ली के सहयोग से देश के हर राज्य में हल्दीघाटी युद्ध पर संगोष्ठियों की योजना बनाई गई है। इसी क्रम में राजस्थान के प्रत्येक जिले में संगोष्ठियों का आयोजन भी प्रस्तावित है। विद्यालयों और महाविद्यालयों में भी शैक्षणेत्तर गतिविधियों के रूप में चित्रकला, रंगोली, भाषण व आशुभाषण प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी ताकि युवाओं में महाराणा प्रताप के चरित्र और मूल्यों का समावेश किया जा सके।

दिवेर विजय महोत्सव और समारोह का भव्य समापन

इस वर्ष का दिवेर विजय महोत्सव भी इस समारोह का अभिन्न हिस्सा होगा। समारोह का विराट समापन अगले वर्ष 18 जून 2026 को होगा।

-रिपोर्ट/फोटो : कौशल मूँदड़ा

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया। अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज की उत्तराखण्ड से बद्रीनाथ से हरिद्वार से दिल्ली तरुणसागरम तीर्थ तक अहिंसा संस्कार पदयात्रा चल रही है पिछले 8 जुन को जापानी पार्क में आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज संसघ का भव्य स्वागत किया गया वहां से यह अहिंसा संस्कार पदयात्रा आज भारत गौरव साधना महोदधि सिंहनिष्क्रिड़ित व्रत कर्ता अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज एवं सौम्यमूर्ति उपाध्याय 108 श्री पीयूष सागर जी महाराज ससंघ का सुबह का पदविहार श्री 1008 महावीर दिगम्बर जैन मंदिर, G3/53, पाकेट 1, सेक्टर 11F, रोहिणी , दिल्ली से भगवान महावीर दिगम्बर जैन मंदिर, डी- ब्लॉक, प्रशांत विहार, उत्तर पश्चिम दिल्ली दुरी- 5.00-km के लिए हो विहार दरम्यान उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा कि डर हमारी अकल और हिम्मत को ऐसे खा जाता है..जैसे अमरबेल वृक्ष को और दीमक किताब को खा जाती है..! आदमी को दो डर हरदम सताते हैं -- एक बीमारी और दूसरा मौत का डर। ये डर आदमी को ना जीने दे रहा है, ना मरने। ना खाने का सुख भोग पा रहा है, ना त्याग का संकल्प ले पा रहा है। एक सज्जन बोले - गुरुदेव, मैं 20 साल से शक्कर नहीं खा रहा हूं। हमने सहज ही पूछ लिया - क्या आपको डायबिटीज है- ? वो बोले हां गुरूदेव। हमने कहा -- नहीं मिली अच्छी नारी तो बन गये बाल ब्रह्मचारी। शक्कर नहीं खाने का त्याग या संकल्प लिया आपने- ? वे बोले नहीं गुरुदेव। हमने कहा ये तो मजबूरी का नाम सोनिया गांधी है बाबू ! सबको मौत का डर है और मरना सबको है। दो बातें मेरी याद रखो एक आत्मा कभी मरती नहीं तो डर किस बात का !दूसरी - परमात्मा हर पल, हर क्षण हमको देख रहा है, अब डर किस बात का भाई मेरे। ये दो बातें अपने जहन में बैठा लो और फिर जीवन जीने का आनंद उठाओ। अन्यथः -- ना हम हँस पा रहे हैं, ना खुलकर रो पा रहे हैं। ना जी पा रहे हैं, ना मर रहे हैं। ऐसा आधा अधूरा जीवन जीने से कोई मतलब नहीं। ये तो ऐसा हो गया जैसे - धोबी का गधा,, ना घर का ना घाट का... !!!

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

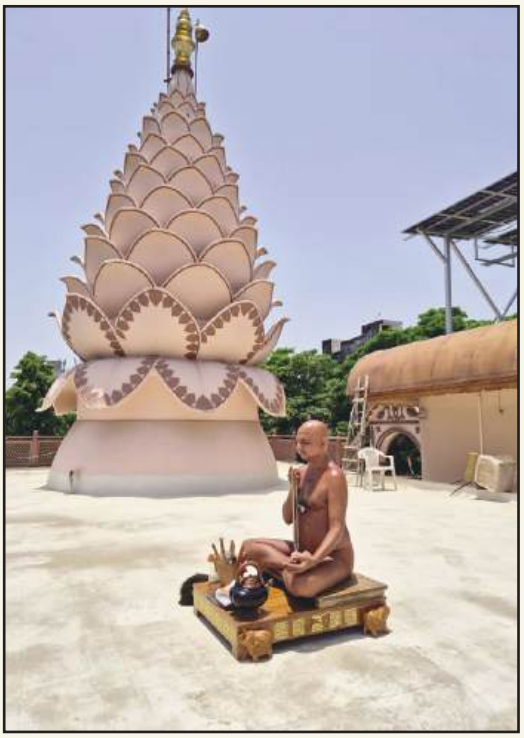

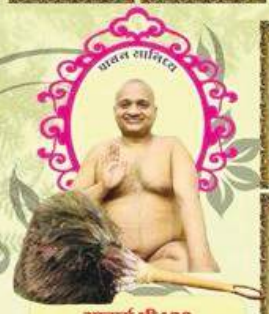

।। श्री शांतिनाथाय नमः ।।
।। श्री पार्श्वनाथाय नमः ।।
श्री 1008 शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर
एम ब्लॉक, 6-डी, इन्जीनियर्स कॉलोनी, मान्यावास, मानसरोवर, जयपुर
मंगल आशीर्वाद
श्री मज्जिनेन्द्र शान्तिनाथ
पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव
शनिवार 14 जून से सोमवार, 16 जून 2025
आचार्य श्री 108 शशांक सागर जी महाराज
वात्सल्य आमंत्रण
धर्मानुरागी महानुभाव
सादर जय जिनेन्द्र!
परम हर्ष का विषय है कि जयपुर, मानसरोवर की कॉलोनी-मान्यावास में निर्माणाधीन वृहद श्री 1008 शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर का पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन हो रहा है। इसमें परम पूज्य वात्सलय मूर्ति कवि हृदय आचार्य श्री 108 शशांक सागर जी महाराज संसंघ का सानिध्य प्राप्त हो रहा है।
अतः आपसे अनुरोध है कि प्रभावनापूर्वक आयोजित होने वाले इस समारोह में सभी जन अवश्य पधारें। सभी आगन्तुक महानुभावों व सम्भागियों के लिए भोजन की व्यवस्था रहेगी।
केबिनेट मंत्री, राजस्थान सरकार
प्रतिष्ठाचार्य
वास्तुविद
सह-प्रतिष्ठाचार्य
सिविल इंजि.
समारोह की क्षणिकायें
शनिवार, 14 जून, 2025
प्रातः 5:30 बजे : मंगलाष्टक, अभिषेक, शांतिधारा
प्रातः 6:00 बजे : घटयात्रा
प्रातः 7:30 बजे : ध्वजारोहण, पाण्डाल, उद्घाटन, वेदी शुद्धि पाण्डाल, वेदी शुद्धि संस्कार मंदिर, चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन, मंगल कुंभ स्थापना, प्रवचन
दोपहर 1:00 बजे : सकलीकरण, इन्द्र प्रतिष्ठा, मण्डल प्रतिष्ठा, श्री यागमंडल विधान, "माता की गोद भराई"
सायंकाल 7:00 बजे : आरती, शास्त्र सभा, राज दरबार, इन्द्र दरबार, रत्नवर्षा, नगरी रचना, सोलह स्वप्न, अष्ट कुमारियों द्वारा माता की सेवा, 56 कुमारियों द्वारा सेवा
रात्रि 12:45 बजे : गर्भ कल्याणक आंतरिक क्रिया
रविवार, 15 जून, 2025
प्रातः 5:00 बजे : नित्याभिषेक, शांतिधारा
प्रातः 5:30 बजे : भगवान का जन्म, पाण्डुशिला अभिषेक, अन्न प्राशन, बाल क्रीड़ा, पालना, बाल श्रृंगार
प्रातः 11:00 बजे : राज दरबार, पट्टाभिषेक, 32 मुकुट बद्ध राजाओं द्वारा भेंट, वैराग्य, लौकान्तिक देव आगमन "दीक्षा", भगवान का आहार
दोपहर 04:00 बजे : ज्ञान कल्याणक की अन्त रंग विधि, "समोशरण रचना" "दिव्य देशना"
सायं 7:30 बजे : आरती, सांस्कृतिक कार्यक्रम
सोमवार, 16 जून, 2025
प्रातः 5:00 बजे : नित्याभिषेक, शांतिधारा
प्रातः 6:00 बजे : मोक्ष कल्याणक विधि, अग्नि कुमार देवों द्वारा संस्कार "हवन क्रिया", श्रीजी भगवान स्थापना, "भगवान विराजमान"
माता - पिता
सौधर्म इन्द्र
धनपति कुबेर
महायज्ञ नायक
यज्ञनायक
चक्रवती
महामण्डलेश्वर
ईशान इन्द्र
सानत इन्द्र
माहेन्द्र इन्द्र
ब्रह्म इन्द्र
ब्रह्मोत्तर इन्द्र
लान्तव इन्द्र
कापिष्ठ इन्द्र
शुक्र इन्द्र
महाशुक्र इन्द्र
शतार इन्द्र
सहस्त्रार इन्द्र
आनत इन्द्र
प्राणत इन्द्र
आरण इन्द्र
अच्युत इन्द्र
सूर्य इन्द्र
चन्द्र इन्द्र
भास्कर इन्द्र
मेघकुमार इन्द्र
वातकुमार इन्द्र
अग्निकुमार इन्द्र
भूमि पुण्यार्जक
झण्डारोहण कर्ता
विशेष सहयोगकर्ता
दीप प्रज्वलन कर्ता
मूर्ति पुण्यार्जक
मूर्ति पुण्यार्जक
मूर्ति पुण्यार्जक
चित्र अनावरण कर्ता
मंडप उद्घाटन कर्ता
पूजा सामग्री पुण्यार्जक
कार्यक्रम स्थल
राधे रानी गार्डन, श्याम वाटिका, मोहरु नगर, मान्यावास, न्यू सांगानेर रोड, जयपुर - 302020
श्री मज्जिनेन्द्र शान्तिनाथ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति
संरक्षक: श्री कमल चन्द छाबड़ा
अध्यक्ष: अनिल बोहरा
उपाध्यक्ष: अशोक जैन (पचेवर वाले)
महामंत्री: गिरीश जैन
कोषाध्यक्ष: मनीष जैन
संयोजक: सी.ए. मनीष छाबड़ा
मंत्री: अमित जैन
प्रचार मंत्री: अभिषेक जैन (बिट्टू)
स्वागत अध्यक्ष: धनेश चंद जैन, राजेंद्र कुमार प्रकाश चंद सेठी
श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन महिला मण्डल
अध्यक्ष: मीना जैन
उपाध्यक्ष: तारा देवी छाबड़ा
मंत्री: रेणु पाटनी
कोषाध्यक्ष: नीलम पाटनी
साधु एवं त्यागी वृति व्यवस्थापक: रवि कुमार जैन, रेणु पाटनी, रवि छाबड़ा, चेतन प्रकाश जैन, जय कुमार जैन
रथयात्रा व्यवस्थापक: कमल जैन, भानु प्रकाश जैन, राहुल पाटनी, सपन जैन
पूजन व्यवस्थापक: प्रकाश चंद सेठी, सतीश कुमार जैन, मयंक जैन, मनीष गोधा, अनिल लुहाडिया
भोजनशाला व्यवस्थापक: नेमी कुमार जैन, राकेश पल्लीवाल, मनोज काला, अंकित काला, अमित जैन, सुरेश जैन
मीडिया फ्लैक्स व्यवस्थापक: रौनक जैन, अभिषेक जैन
चिकित्सक व्यवस्थापक: दीपक जैन, मुकेश जैन (एम4), मुकेश जैन सेठी
टेन्ट, माईक, फोटोग्राफी व्यवस्थापक: सुमित छाबड़ा, विकास जैन
कार्यकारिणी सदस्य
मनोज जैन काला, अंकित काला, रमेश कुमार जैन, भानु कुमार जैन, मनीष गोधा, अनुराग जैन, सी.एस. मनीष जैन,
...ण्वाल, शांति कुमार शाह
28. 9887147520
Kamall Creation
9636860192
Scanned by Camera Scanner

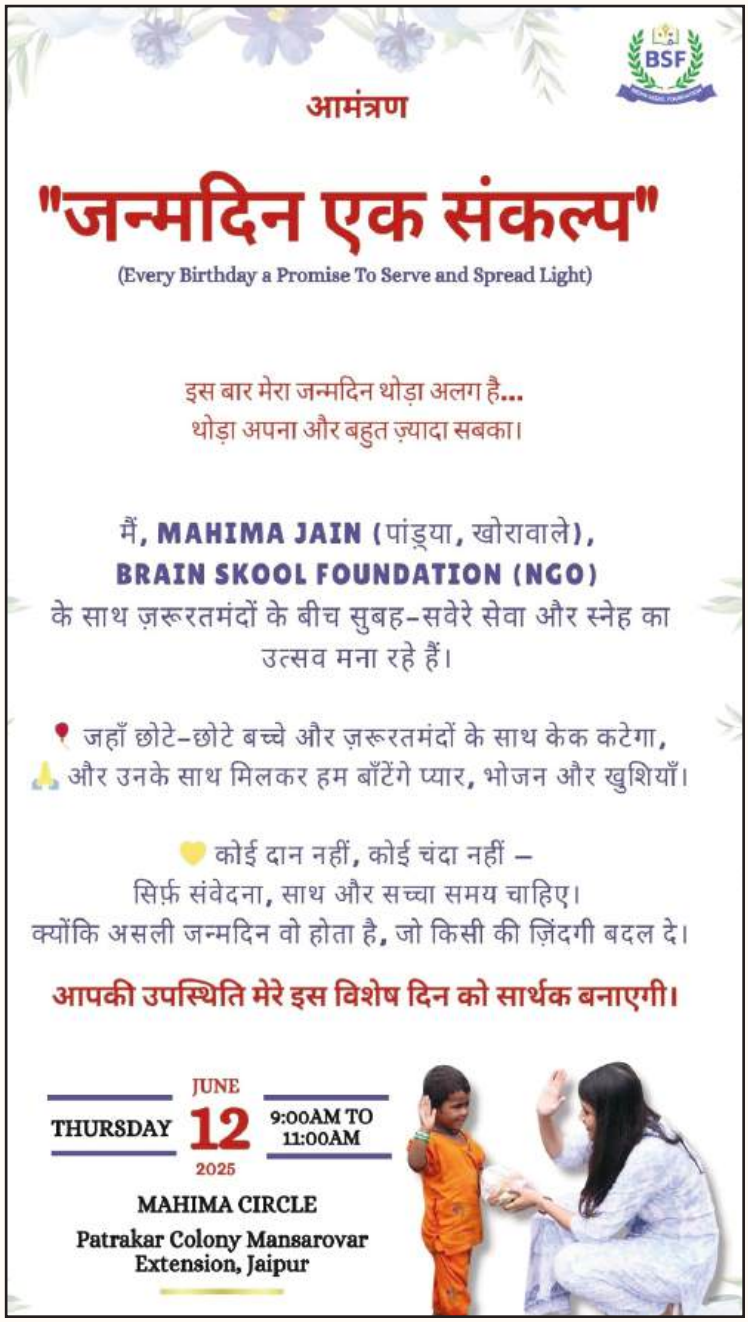

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

जनाना चिकित्सालय में विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष पर आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों के तहत आई.एच.टी.एम विभाग द्वारा न्यू रक्तकेन्द्र, राजकीय महिला चिकित्सालय, अजमेर में वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का शुभारम्भ प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक ज.ला. ने मेडिकल कॉलेज डॉ. अनिल सामरिया, ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर, अधीक्षक राजकीय महिलां चिकित्सालय डॉ. पूर्णिमा पचौरी, अधीक्षक ज.ला.ने चिकित्सालय, डॉ. अरविन्द खरे, विभागाध्यक्ष, आई.एच.टी.एम विभाग डॉ. जी.सी. मीणा, विभागाध्यक्ष स्त्री रोग विभाग डॉ. दिपाली जैन, रक्तकेन्द्र प्रभारी, डॉ. नसीम अख्तर, आई.एच.टी.एम विभाग के अन्य चिकित्सक डॉ. प्रियंका बनसोड, डॉ. दिनेश बीलवाल, डॉ. हर्षवर्धन राठौड, डॉ अमित लोढा, बीएसी नर्सिंग कॉलेज के प्रधानाचार्य श्री निमेश दवे एवं नर्सिंग ट्यूटर श्रीमती अन्जू बडोला, जीएनएम नर्सिंग स्कुल से ट्यूटर श्रीमती ललीता प्रजापत एवं श्रीमती सुधीरा चौधरी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में कुल 32 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, एवं ब्लड डोनेशन थीम पर कलात्मक एवं प्रेरणात्मक वॉल पेंटिग बनायी, तथा पेंटिग के माध्यम से रक्तदान से होने वाले फायदे एवं रक्तदान करने के लिये प्रेरित होने का संदेश दिया। प्रथम तीन स्थानों पर आने वाले प्रतिभागियों को 14 जून को आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया जायेगा। इस अवसर पर प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक महोदय ने कलात्मक एवं प्रेरणात्मक वॉल पेंटिंग बनाने वाली सभी प्रतिभागियों की होसला अफजाई करते हुये बधाई दी, तथा चिकित्सालय में आने वाले परिजनों के लिये रक्तदान हेतु प्रेरणादायक बताया।

महिमा जैन पांड्या

(सुपौत्री स्वर्गीय श्री छोटे लाल जी एवं स्वर्गीय श्री प्रकाशी देवी पांड्या) सुपुत्री श्री सत्येंद्र जैन श्रीमती नीरु जैन पांड्या

को जन्म दिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छु
समस्त परिवार जन एवं मित्र गण